भजन

तर्ज–तुम्ही मेरे मन्दिर

तुम ही मेरे प्रीतम,तुम ही मेरे साहिब
तुम ही प्राणनाथ हो –2
आतम मेरी हर पल चाहे,तुम्हारा ही साथ हो
हर पल का साथ हो–2

1–साथ तुमारा पिया अब नाही छूटे
चाहे जमाना सारा ही रूठे
तेरे ही चरणों का अब आसरा हो
तुम ही मेरे हो,चाहे जहां हो

2–तुमसे बिछड़ के पिया कब तक रहना
मिलना बिछुड़ना अब नही सहना
मिलना वही जो मिल के ना बिछुड़े
हर पल का साथ हो,तुमारा ही साथ हो

3–याद तुम्हारी पिया जब जब आए
कैसे बताऊं वो कितना सताए
तुमसे पिया मेरे कुछ नही कहना
सब जानते हो ––